# विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

# शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

**विषय संस्कृत दिनांक 23-01-2021**

**वर्ग पंचम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय**

**एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित**

**देव शब्द के रूप -**

**देवं (देवता) - अकारान्त पुंल्लिंग**

**देव शब्द रूप: आजकल हिंदी में 'देवता' शब्द का देव शब्द के समान पुल्लिंग में व्यवहार होता है। स्त्रीलिंग में दोनों का रूप देवी है।**

| विभक्ति | एकवचन | द्विवचन | बहुवचन |
|---|---|---|---|
| प्रथमा | देवः। | देवी | देवाः |
| द्वितीया | देवम् | देवौ | देवान् |
| तृतीया | देवेन | देवाभ्याम् | देवैः |
| चतुर्थी | देवाय | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |
| पञ्चमी | देवात् | देवाभ्याम् | देवेभ्यः |

| | | | |
|---|---|---|---|
| षष्ठी | देवस्य | देवयोः | देवानाम् |
| सप्तमी | देवे | देवयोः | देवेषु |
| सम्बोधन | हे देव | हे देवौ | हे देवाः ! |

विशेष - इसी प्रकार राम, मोहन, कृष्ण, बुद्ध, नर, मृग, सूर्य, चन्द्र, सुर, असुर, अश्व, गज, ब्राह्मण, क्षत्रिय, शूद्र, शिक्षक, शिष्य, ईश्वर, भक्त, जनक, पुत्र, पर्वत, ग्राम, मनुष्य, राक्षस, दिवस, प्रहर, लोक, वेद आदि अकारान्त पुंल्लिंग शब्दों के रूप चलेंगे। षत्व एवं णत्व के नियमानुकूल ही 'ष' या 'ण' आवश्यकतानुसार होगा।